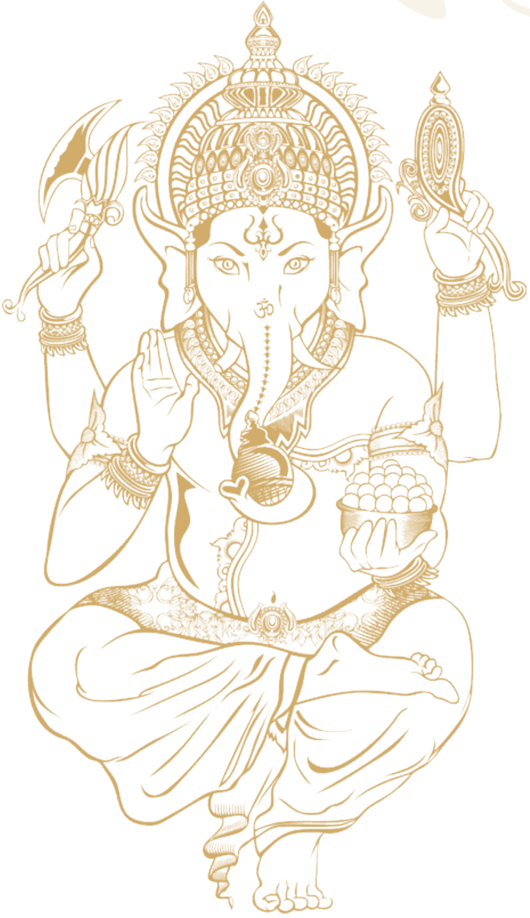

# Tara Singh

04 Dec 1973

03:00 AM

Gaya

Model: web-freekundliweb

Order No: 120978403

| | |
|---|---|
| लिंग | स्त्रीलिंग |
| **जन्म तिथि** | **3-04/12/1973** |
| दिन | सोम-मंगलवार |
| **जन्म समय** | **03:00:00 घंटे** |
| इष्ट | 51:42:24 घटी |
| **स्थान** | **Gaya** |
| राज्य | Bihar |
| देश | India |

| | |
|---|---|
| अक्षांश | 24:48:00 उत्तर |
| रेखांश | 85:00:00 पूर्व |
| मध्य रेखांश | 82:30:00 पूर्व |
| स्थानिक संस्कार | 00:10:00 घंटे |
| ग्रीष्म संस्कार | 00:00:00 घंटे |
| स्थानिक समय | 03:10:00 घंटे |
| वेलान्तर | 00:10:15 घंटे |
| साम्पातिक काल | 08:00:14 घंटे |
| सूर्योदय | 06:19:02 घंटे |
| सूर्यास्त | 17:00:26 घंटे |
| दिनमान | 10:41:25 घंटे |
| सूर्य स्थिति(अयन) | दक्षिणायन |
| सूर्य स्थिति(गोल) | दक्षिण |
| ऋतु | हेमन्त |
| सूर्य के अंश | 18:05:29 वृश्चिक |
| लग्न के अंश | 03:37:45 तुला |

## अवकहड़ा चक्र

| | |
|---|---|
| लग्न-लग्नाधिपति | तुला - शुक्र |
| **राशि-स्वामी** | **कुम्भ - शनि** |
| **नक्षत्र-चरण** | **पू०भाद्रपद - 3** |
| नक्षत्र स्वामी | गुरु |
| योग | वज्र |
| करण | बालव |
| गण | मनुष्य |
| योनि | सिंह |
| नाड़ी | आद्य |
| वर्ण | शूद्र |
| वश्य | मानव |
| वर्ग | सर्प |
| युँजा | अन्त्य |
| हंसक | वायु |
| जन्म नामाक्षर | दा-दामिनी |
| पाया(राशि-नक्षत्र) | रजत - लौह |
| सूर्य राशि(पाश्चात्य) | धनु |

# ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

| ग्रह | व | अ | राशि | अंश | गति | नक्षत्र | पद | नं. | रा | न | अं. | स्थिति |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| लग्न | | | तुला | 03:37:45 | 321:52:03 | चित्रा | 4 | 14 | शुक्र | मंगल | शुक्र | --- |
| सूर्य | | | वृश्चि | 18:05:29 | 01:00:52 | ज्येष्ठा | 1 | 18 | मंगल | बुध | बुध | मित्र राशि |
| चंद्र | | | कुंभ | 27:44:39 | 12:44:08 | पू०भाद्रपद | 3 | 25 | शनि | गुरु | शुक्र | सम राशि |
| मंगल | | | मेष | 02:12:53 | 00:06:06 | अश्विनी | 1 | 1 | मंगल | केतु | शुक्र | मूलत्रिकोण |
| बुध | | | तुला | 29:28:13 | 01:20:56 | विशाखा | 3 | 16 | शुक्र | गुरु | चंद्र | मित्र राशि |
| गुरु | | | मक | 15:17:45 | 00:10:42 | श्रवण | 2 | 22 | शनि | चंद्र | गुरु | नीच राशि |
| शुक्र | | | मक | 03:22:30 | 00:48:39 | उत्तराषाढ़ा | 3 | 21 | शनि | सूर्य | शनि | मित्र राशि |
| शनि | व | | मिथु | 09:18:28 | 00:04:26 | आर्द्रा | 1 | 6 | बुध | राहु | गुरु | मित्र राशि |
| राहु | व | | धनु | 05:13:37 | 00:00:50 | मूल | 2 | 19 | गुरु | केतु | मंगल | नीच राशि |
| केतु | व | | मिथु | 05:13:37 | 00:00:50 | मृगशिरा | 4 | 5 | बुध | मंगल | सूर्य | नीच राशि |
| हर्ष | | | तुला | 02:43:53 | 00:02:56 | चित्रा | 3 | 14 | शुक्र | मंगल | शुक्र | --- |
| नेप | | | वृश्चि | 13:49:42 | 00:02:15 | अनुराधा | 4 | 17 | मंगल | शनि | राहु | --- |
| प्लूटो | | | कन्या | 12:57:22 | 00:01:13 | हस्त | 1 | 13 | बुध | चंद्र | राहु | --- |
| दशम भाव | | | कर्क | 04:28:24 | -- | पुष्य | -- | 8 | चंद्र | शनि | शनि | -- |

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:29:50

## लग्न-चलित

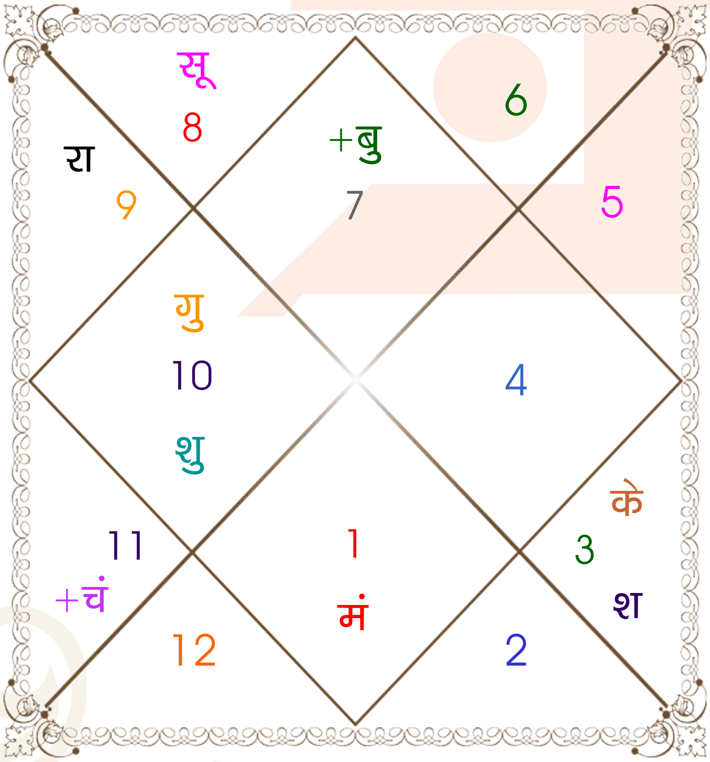


## चन्द्र कुंडली

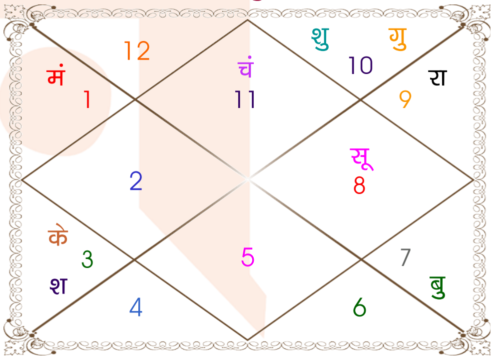


## नवमांश कुंडली

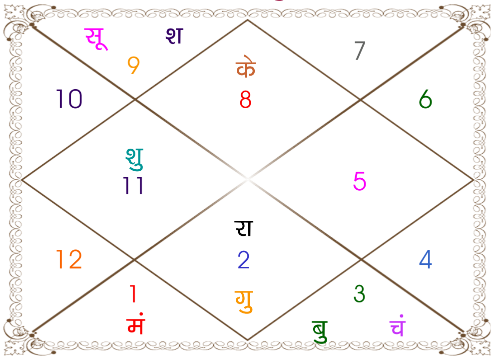

# विंशोत्तरी दशा

## भोग्य दशा काल : गुरु 6 वर्ष 8 मास 14 दिन

| गुरु 16 वर्ष | | शनि 19 वर्ष | | बुध 17 वर्ष | | केतु 7 वर्ष | | शुक्र 20 वर्ष | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| **04/12/1973** | | **18/08/1980** | | **19/08/1999** | | **18/08/2016** | | **19/08/2023** | |
| **18/08/1980** | | **19/08/1999** | | **18/08/2016** | | **19/08/2023** | | **19/08/2043** | |
| | 00/00/0000 | शनि | 22/08/1983 | बुध | 15/01/2002 | केतु | 15/01/2017 | शुक्र | 19/12/2026 |
| | 00/00/0000 | बुध | 01/05/1986 | केतु | 12/01/2003 | शुक्र | 17/03/2018 | सूर्य | 19/12/2027 |
| | 00/00/0000 | केतु | 10/06/1987 | शुक्र | 12/11/2005 | सूर्य | 23/07/2018 | चंद्र | 19/08/2029 |
| | 04/12/1973 | शुक्र | 10/08/1990 | सूर्य | 18/09/2006 | चंद्र | 21/02/2019 | मंगल | 19/10/2030 |
| शुक्र | 02/03/1975 | सूर्य | 23/07/1991 | चंद्र | 18/02/2008 | मंगल | 20/07/2019 | राहु | 19/10/2033 |
| सूर्य | 19/12/1975 | चंद्र | 20/02/1993 | मंगल | 14/02/2009 | राहु | 06/08/2020 | गुरु | 19/06/2036 |
| चंद्र | 19/04/1977 | मंगल | 01/04/1994 | राहु | 03/09/2011 | गुरु | 13/07/2021 | शनि | 19/08/2039 |
| मंगल | 26/03/1978 | राहु | 05/02/1997 | गुरु | 09/12/2013 | शनि | 22/08/2022 | बुध | 19/06/2042 |
| राहु | 18/08/1980 | गुरु | 19/08/1999 | शनि | 18/08/2016 | बुध | 19/08/2023 | केतु | 19/08/2043 |

| सूर्य 6 वर्ष | | चंद्र 10 वर्ष | | मंगल 7 वर्ष | | राहु 18 वर्ष | | गुरु 16 वर्ष | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| **19/08/2043** | | **19/08/2049** | | **19/08/2059** | | **19/08/2066** | | **18/08/2084** | |
| **19/08/2049** | | **19/08/2059** | | **19/08/2066** | | **18/08/2084** | | **00/00/0000** | |
| सूर्य | 07/12/2043 | चंद्र | 19/06/2050 | मंगल | 15/01/2060 | राहु | 01/05/2069 | गुरु | 07/10/2086 |
| चंद्र | 06/06/2044 | मंगल | 18/01/2051 | राहु | 02/02/2061 | गुरु | 25/09/2071 | शनि | 19/04/2089 |
| मंगल | 12/10/2044 | राहु | 19/07/2052 | गुरु | 09/01/2062 | शनि | 01/08/2074 | बुध | 26/07/2091 |
| राहु | 06/09/2045 | गुरु | 18/11/2053 | शनि | 18/02/2063 | बुध | 17/02/2077 | केतु | 01/07/2092 |
| गुरु | 25/06/2046 | शनि | 19/06/2055 | बुध | 15/02/2064 | केतु | 08/03/2078 | शुक्र | 04/12/2093 |
| शनि | 07/06/2047 | बुध | 18/11/2056 | केतु | 13/07/2064 | शुक्र | 07/03/2081 | | 00/00/0000 |
| बुध | 13/04/2048 | केतु | 19/06/2057 | शुक्र | 12/09/2065 | सूर्य | 30/01/2082 | | 00/00/0000 |
| केतु | 18/08/2048 | शुक्र | 18/02/2059 | सूर्य | 18/01/2066 | चंद्र | 01/08/2083 | | 00/00/0000 |
| शुक्र | 19/08/2049 | सूर्य | 19/08/2059 | चंद्र | 19/08/2066 | मंगल | 18/08/2084 | | 00/00/0000 |

- ❖ उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल गुरु 6 वर्ष 7 मा 23 दि होता है।
- ❖ उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

## लग्न फल

आपका जन्म चित्रा नक्षत्र के चत्तुर्थ चरण में तुला लग्नोदय काल हुआ था। उस क्षण मेदिनीय क्षितिज पर तुला लग्न के साथ-साथ वृश्चिक नवमांश एवं तुला द्रेष्काण भी उदित था। जो यह संकेत देता है कि आप सदैव मात्र विलासिता संबंधी विषयों के प्रति रुचिवान रहेंगी। मुख्यतः वासनात्मक विलास प्रियता आप में विद्यमान रहेगी। आप अपने पति के साथ आनंद प्राप्ति में अभिभूत रहेंगी। यह संभाव्य है कि आप काम कला की उच्च शिक्षा प्राप्ति हेतु अथवा प्रसार हेतु प्रयत्नशील रहेंगी। यह संभाव्य है कि आप कामसूत्र की विशेषज्ञ हो जाएं।

संप्रति यदि आपके लिए कार्य है तो वह कार्य घर से संबंधित है। आप अपने शयन कक्ष को अति आकर्षक बनाने के संबंध में सदैव चिंतित रहेंगी। आप अपने पति की प्रीति में पूर्ण समर्पित रहकर, पति के आकर्षण के कारण एवं विलासिता संबंधी प्रसन्नता हेतु कुछ भी संभव उपाय करने के लिए सीमोलंघन भी कर सकती हैं। संप्रति आप अपने साथी के प्रति अत्यन्त समर्पित हैं।

आप पूर्णरूपेण अश्वस्त होंगी कि आपको एक अच्छा जीवन संगी प्राप्त हुआ है। आप अपनी पसंद तथा इच्छानुरुप मिथुन अथवा कुंभ राशि के जीवन साथी का चयन करें तथा कर्क, मकर एवं मीन जल तत्व राशि के साथी का त्याग करें। आपके लिए यह अनिवार्य है कि आपका घरेलू जीवन सुव्यवस्थित हो। यदि संयोगवश आप अपने जीवन साथी के साथ समान तारतम्य नहीं रहा तो अप्रियता एवं दुःखद अनुभव करेंगी। इस प्रकार आपका पारिवारिक जीवन किसी संभावित घटना के कारण असंतुलित हो जाय तथा आपके संपर्क का परित्याग हो जाए। पुनः आप किस प्रकार गृह व्यवस्था सुनिश्चित करेंगी।

आपके जीवन का अन्य रुचिकर विषय आपके मित्र से संबंध स्थापित करने का है। आपकी इच्छा रहती है कि आपके अच्छी मित्र मण्डली हो। जिसके सहयोग के लिए आप सतत कुछ भी करने के तत्पर रहेंगी। आपका अन्य पक्ष यह है कि आप अपने स्तर से अपने मित्रों को प्रस्तुत करेंगी। वास्तविकता तो यह है कि आपके दृष्टिकोण में ऐसा है कि ये मित्र आपके लिए पीठ की हड्डी अर्थात् रीढ़ की भांति प्रमाणित होंगे।

आपके जन्म संयोजन में चित्रा नक्षत्र एवं तुला जन्म लग्न के प्रभाव से आप अत्यंत ही लाभ एवं जीवन की सभी सुविधाओं से युक्त रहेंगे, परंतु बृश्चिक नवमांश के कुप्रभाव से जहां तक हो अड़चन बाधाओं से युक्त परिस्थिति भी हो सकती है। इस प्रकार की परिस्थिति अन्त में आपकी बाधाओं से मुठभेड़ करा सकती है जो आपके शारीरिक अंगों में रोग उत्पन्न करा कर आपकी समृद्धि में बाधक बन जाएं। अतएव आपके लिए अति अनिवार्य है आप गुप्त रोग जनित कार्य से विक्षिप्त प्रभाव के कारण यह संभाव्य है कि आपको मुंह छिपाना पड़े। अतः आप मंगलवार के दिन उपवास रहने का प्रयास करें-यह आपके स्वास्थ्य के लिए सहायक होगा।

आप व्यक्तिगत रुप से सक्रियता पूर्वक आप में यह क्षमता विद्यमान है कि आप अपनी शक्ति सम्पन्नता का अच्छा प्रभाव अपने गुणों के अनुसार किसी भी क्षेत्र में अनिवार्य रूप से सफलता प्राप्त कर सकती हैं। आप कठिन श्रम करने के लिए सुनिश्चित कर सम्पन्नता का

लाभांश यथा धन प्राप्ति के अतिरिक्त भूमि भवन का लाभ प्राप्त कर सकती हैं।

आपको इस प्रकार की आदतों का परित्याग कर सुख आराम की प्राप्ति हेतु व्यवसायिक प्रवृति से पृथक करना चाहिए। आपको प्रेम-प्रसंग हेतु अपने समय का दुरुपयोग नहीं करना चाहिए। आपको अपनी उन्नति हेतु सही तरीके से किस प्रकार सरकारी अधिकारी को प्रभावित करने के लिए किस प्रकार का प्रभावशाली बातचीत कर सके, यह जानती हैं। आप अपने लिए कार्य व्यवसाय में ट्रांसपोर्टर का कार्य, औषधि का व्यवसाय एवं कांट्रेक्टर का कार्य कर सकती हैं।

आप किसी भी व्यक्ति के साथ संगठित हो कर अच्छी प्रकार मिलजुल कर साथियों के मध्य प्रख्यात हो जाती हैं। आप धैर्य पूर्वक विनोद प्रिय एवं आनंददायक बाते करके प्रसन्नता प्रदान करती हैं। इस प्रकार आप अपने स्वभाव को क्षति कर सकती हैं तथा जब किसी प्रकार की घटना क्रम में आप हिंसात्मक प्रवृति की हो जाती है। आप इस प्रकार की प्रवृति के प्रति शिक्षा ग्रहण कर विपरीत स्थिति के प्रति अपने में बदलाव करें। इस प्रकार की मनोवृति को रोकना उत्तम होगा। क्योंकि आपकी यह आदत हानिकारक है। आप अपने जीवन के इन तथ्यों पर विचार नहीं कर सकी तो आपकी बहुत बड़ी क्षति होकर आपकी वृद्धावस्था आर्थिक रूप से प्रभावित हो जाएगी। आप इस प्रकार की समर्पित भावनाओं को नियंत्रित कर लें। इसलिए कि आप को अपना संपूर्ण जीवन आरामदायक ढंग से बिताना है।

आपके लिए साप्ताहिक वारों में भाग्यशाली दिन शनिवार तथा शुक्रवार है। परन्तु आपको रविवार, गुरुवार, मंगलवार एवं सोमवार के दिनों का परित्याग करना चाहिए क्योंकि ये चारों दिन आपके लिए अनुकूल नही है। बुधवार आप के लिए मध्य फलदायक है।

आपके लिए अंको में अनुकूल अंक 1, 2, 4, 7 एवं 8 अंक उत्तम है। इसके अतिरिक्त अंक 3, 5, 6 एवं 9 अंक उपयुक्त नहीं है।

रंगों में आपके लिए हरा, पीला रंग, आपके लिए रुचि कर एवं व्यवस्थित रंग है। परंतु रंग सफेद लाल, नारंगी आपके लिए अनुकूल एवं शुभ है।